स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ है नर्सिंग ट्रेनिंग। जीवन के सभी पुरुषार्थो को पूरा करने का साधन है नर्सिंग सेवा। आवश्यकता है इसके अनुरूप संकल्प लेने की।

उक्त बातें **गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी एवं गोरखपुर के सांसद योगी आदित्यनाथ जी** ने **गुरू श्री गोरक्षनाथ स्कूल आफ नर्सिंग** के **'चतुर्थ दीप प्रज्जवल समारोह'** के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहीं। उन्होनें कहा कि देश में आबादी के अनुसार स्वास्थ्य की सुविधा न होना चिन्ता का विषय है। स्वास्थ्य सुविधा में भी नर्सिंग स्टाफ की अत्यन्त कमी है। नर्सिंग ट्रेनिंग के बाद रोजगार की गारण्टी तो है ही, साथ ही सेवाव्रत से सभी पुरुषार्थो को पूर्ण करने का अवसर भी उपलब्ध होता है। पूर्वी उ0प्र0 में स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतरी एवं रोजगार की उपलब्धता को ध्यान में रखकर सन् 2009 में गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय ने नर्सिंग स्कूल में 3½ वर्षीय जी.एन.एम. का पाठ्यक्रम संचालित किया। अगले वर्ष दो वर्षीय पाठ्यक्रम एन.एन.एम. भी प्रारम्भ हुआ। आगामी वर्ष में यह चिकित्सालय बी.एस.सी. नर्सिंग एंव पोस्ट बेसिक बी.एस.सी. नर्सिंग का पाठ्यक्रम भी संचालित करेगा।

समारोह को सम्बोधित करते हुये गोरखपुर के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एम.पी.सिंह ने कहा कि डिग्री एवं डिप्लोमा लेना मात्र उद्देश्य नही। जो संकल्प नर्सिंग प्रशिक्षुओं ने लिया है उसके अनुसार आचरण करना। आप–लोग सौभाग्यशाली है कि ऐसे संस्थान में आपको प्रशिक्षण लेने का अवसर प्राप्त हो रहा है जो परमार्थ के लिये ही समर्पित है। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी.सिंह ने कहा कि नर सेवा–नारायण सेवा है। सेवाव्रत जीवन का सबसे उत्तम व्रत है। उन्होनें महर्षि रमण का उद्धरण सामने रखते हुये कहा कि कैसे कुष्ट रोगियों की सेवा को ही उन्होनें अपने जीवन का ध्येय बना दिया था। इस अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग आचार्य एंव प्रभारी कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि किस संस्थान से आप शिक्षण–प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है इसका अपना महत्व है। नर्सिंग का क्षेत्र बड़ा विस्तृत है। वैसे भी भारतीय संस्कृति ने 'सर्वे सन्तु निरामया' को ही जीवन का ध्येय बनाया था। आप सौभाग्यशाली है कि सबको निरोग रखने के लिये उस संकल्प के साथ जुड़ रहे है। समारोह को गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के निदेशक बिग्रडियर (डॉ.) के.पी.बी.सिंह, डॉ. सी.एम.सिन्हा ने भी सम्बोधित किया।

इससे पूर्व गुरू श्री गोरक्षनाथ स्कूल आफ नर्सिंग के नव प्रवेशित जी.एन.एम. तथा ए.एन.एम. प्रशिक्षिओं को स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती रश्मि शर्मा ने शपथ दिलाई। शपथ के बाद सभी प्रशिक्षुओं ने अपना ध्येय गीत 'इतनी शक्ति हमे देना दाता' आदि का सामुहिक गान करके सेवाव्रत का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का संचालन जी.एन.एम. तृतीय वर्ष की प्रशिक्षु कु0 देवयानी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. एस.के.शर्मा, डॉ. राजीव श्रीवास्तव, डॉ. एस.के श्रीवास्तव, डॉ. सुरेश सिंह, डॉ. संजय दीक्षित, डॉ. अनुप श्रीवास्तव, आयुर्वेद चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. डी.पी.सिंह, नर्सिंग फैकल्टी स्टाफ उषा किरन, श्रीमती नीना रार्बट, श्रीमती अंजु कोशी, श्रीमती सीमा जोसेफ, देवता देवी, कु. अवनि, मिशा, साइनी, सोनी नीतू, प्रवीणा, अनूप, मानूलाल, प्रिन्स विसेन्ट, प्रिन्स मजु, सतीश कुमार, कु. प्रियंका सिंह सहित चिकित्सालय के चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ एवं स्कूल की प्रशिक्षु उपस्थित थी।